संत थॉमस स्कूल, धुर्वा, राँची
सत्र 2020 – 21

कक्षा – 7 (विषय – हिंदी) पुस्तक – मंथन

पाठ – 16, आप किनके साथ हैं

अभ्यास

प्रश्न 1 – प्रश्नों के उत्तर दीजिए (मौखिक) : –

(क) चौथी पंक्ति में

(ख) जो निडर होकर अपने मन के विचारों को रखता है। उसके हृदय के कोध को आततायियों की शमशीर चुप नहीं करा सकती।

(ग) छात्र स्वयं करें।

(घ) हरिवंश राय बच्चन जी।

प्रश्न 2 – लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर (लिखित) : –

(क) जो निडर होकर हिम्मत के साथ अपनी बातों को रखता है।

(ख) जो समझौता करने के लिए किसी के आगे नहीं झुकते, बड़े सपने देखत हैं उन वीरों की आँखें भविष्य के अंधकार को भी चीर देती हैं।

(ग) जो अपने कंधों से पर्वत से टक्कर लेते हैं। मार्ग की बाधाओं को, जो आगे बढ़ चुनौती देते हैं, उनको कोई भी लोहे की बेड़ी–जंजीर बाँध नहीं सकती।

(घ) जिनको अनुकूल समय देखने की फ़र्सत नहीं होती। जो अशुभ घड़ी या शुभ कार्य के लिए उपयुक्त समय की परवाह नहीं करते, उनके हाथों की चाबुक से उनकी तकदीर चलती है।

(ड.) जिस पथ पर वीर अपनी छाती ताने चलता है, उस पथ को कवि ने सत्पथ कहा है।

प्रश्न 3 – दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर : –

(क) आततायियों की शमशीर अर्थात तलवार कवि ने अन्याय और अत्याचार को कहा है, जिसके आगे वीर घुटने नहीं टेकते। निडर होकर अपनी बातों को रखते हैं। अपने अंदर के कोध को बेझिझक अपनी जिह्वा पर रखते हैं।

(ख) पर्वत को टक्कर देने और पथ की बाधाओं को चुनौती देने से कवि का तात्पर्य है कि वीर अपने बलबूते आगे बढ़कर सभी मुसीबतों और चुनौतियों का सामना करते हैं। कर्मपथ की बाधाओं को ललकारते हुए आगे बढ़ते हैं। हिम्मत से हर मुसीबतों का सामना करते हैं।

(ग) इस पंक्ति का अर्थ है कि जो कभी नहीं झुकते दुनिया के सामने और असत्य से समझौता नहीं करते हमेशा सत्य का साथ देते हैं।

(घ) प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारे पाठ्य पुस्तक 'मंथन' के पाठ 'आप किनके साथ हैं' कविता से ली गई है। इसके कवि हरिवंश राय बच्चन जी हैं।

इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि कर्मपथ पर गतिशील वीर पुरुष किसी अनुकूल समय की प्रतीक्षा नहीं करते। क्योंकि उनके पास इसके लिए समय ही नहीं होता। न ही ग्रह–नक्षत्र देखकर कार्य प्रारंभ करते हैं। शुभ कार्य हेतु उपयुक्त समय आदि का उनको परवाह नहीं रहता।